Field day cum training program on the use of Zero tillage in Rice-wheat-summer mung based cropping system under NAFCC Project

Under the NAFCC funded Project "*Scaling up Climate Smart Agriculture Through Climate-Smart Village in Bihar*" a one day training cum field day on benefits of Rice-wheat-summer mung based cropping system through zero-tillage was organized on 21st October 2020 at Chakrajja Village of Daniyawan, Patna and Lodhipur village of Nagarnausa, Nalanda. In the field day program, feedback training was also organized by the project team, Dr. Anirban Mukherjee and Dr. N. Raju Singh in the project area. On this field day program, the importance of climate-smart agriculture, smart nutrient management, and adoption of zero tillage was advised. The farmers who already adopted the technology were very happy in adopting zero tillage based cropping system as it reduces the cost of cultivation up to 7 thousand per ha.

Fig 1: Zero Tillage Based Rice Field Day at Daniyawan, Patna

The farmers of that area are realizing the adverse effect of climate change through changes in rainfall patterns. Many a farmer reported a heavy loss of crops due to

sudden heavy flash of rain in these areas. The project has created awareness among farmers to adopt climate-smart crop management practices.

Fig 2: Training and awareness program at Daniyawan, Patna

Fig 3: Zero Tillage Based Rice Field Day at Nagarnausa, Nalanda

Fig 4: Training and awareness program at Nagarnausa, Nalanda

धान-गेहूं-मूंग फसल चक्र में जीरो टिलेज तकनीक कारगर

दनियावां। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी क्षेत्र द्वारा दनियावां के चकरज्जा गांव के किसानों के बीच बदलते जलवायु परिवर्तन में जीरो टीलेज से बुआई करने के लाभ के बारे में बताया गया। किसानों से धान,गेहूं,मूंग फसल चक्रों को अपनाने और दूसरे अन्य कृषकों को भी इसकी जानकारी और प्रोत्साहन देने के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने दनियावां प्रखंड में जानकारी दी। वैज्ञानिक अनिर्बन मुखर्जी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से विकासशील देश ज्यादा प्रभावित होते हैं। तापमान में वृद्धि, कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई मात्रा,असमय वर्षा, बाढ़-सूखा एवं ग्रीन हाँउस गैसों का आत्यधिक उत्सर्जन कृषि पर बुरा असर डाल रहा है। इन विकट परिस्थितियों से बिहार के किसान भी भुक्तभोगी हैं। इस परियोजना से किसान जलवायु के अनुरूप खेती की तकनीक को अपनाने की ओर उन्मुख होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ एन राजू सिंह ने किसानों को पोषक स्मार्ट तकनीक जैसे लीफ कलर व ग्रीन सीकर और पोषक प्रबंधन को अपनाकर मिट्टी में कार्बन के स्तर में वृद्धि कर भूमि की उर्वरता को सुधारने पर बल दिया। मौके पर अन्वेषक डॉ जेएस मिश्रा,कृषि वैज्ञानिक डॉ अभय कुमार, किसान विकास कुमार, संजीव कुमार, प्रेम राज, धर्मवीर रंजन, किशोर, प्रसिद्ध सिंह व अन्य किसान मौजूद थे।

Fig 5: The program was reported by the newspaper of Bihar dated 22nd October 2020

Fig 6: The event covered by Bihar News Darshan Date 22nd October 2020 http://biharnewsdarshan.com/5107/